

श्याम सपनो में आएं मुझे धीर बंधाए

श्याम सपनो में आएं...हो,
श्याम सपनो में आएं,
मुझे धीर बंधाए,
मुझे हरपल ये समझाए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है॥

तेरा मेरा नाता इतना गहरा है,
हरदम तेरे ऊपर मेरा पहरा है,
भाव भजन तू रोज कर,
मेरे भरोसे मौज कर,
हर पल मुस्काए,
दुख मेरे मिटाए,
मुझे हरपल ये समझाए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है॥

दुनिया तेरा न्याय नहीं कर पाएगी,
सुख में दुख में तुझको सिर्फ भुनाएगी,
इनसे कभी ना कुछ बोलना,
भेद ना अपने खोलना,
मुझे जीना सिखाए,
दुख मेरे मिटाए,
मुझे हरपल ये समझाए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है॥

आँखों में तेरे बोल नमी ये कैसी है,
मेरे होते बोल कमी ये कैसी है,
सब सुख तुझपे वार दूं
तुझको इतना प्यार दूं
सर हाथ फिराए,
कभी गले से लगाए,
मुझे हरपल ये समझाए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है॥

हारे का साथी मैं सदा कहाया हूँ,
इसीलिए तेरे सपनों में मैं आया हूँ,
तुझको जिताकर जाऊंगा,
रोमी को समझाऊंगा,
जाके सबको बताए,

जो भी मेरा हो जाए,
उसे आंच कोई ना आए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है॥

श्याम सपनो में आएँ...हो,
श्याम सपनो में आएँ,
मुझे धीर बंधाए,
मुझे हरपल ये समझाए,
तू क्यों घबराता है,
क्यों जी को जलाता है.....

स्वर : [संजय मित्तल](#)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23931/title/shyam-sapno-me-aaye-mujhe-dheer-bandhaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |